सफ़ाई सेना

सफ़ाईनामा

अंक 1 | सितंबर 2011 | सफ़ाई सेना का प्रकाशन

कबाड़ियों की आवाज

गाजीपुर में दूर हुई राशन की समस्या

मेरा नाम मुहम्मद कासिम है। मै गाजीपुर डेरी फार्म की झुग्गी मे रहता हूँ। मै पिछले कई सालो से चिंतन व सफ़ाई सेना से जुड़ा हुआ हूँ। गाजीपुर में पिछले कई महीनों से राशन की समस्या चल रही है। जब भी हम लोग राशन दफ्तर जाते थे तो कोई ना कोई बहाना बताकर वापस भेज दिया जाता था। फिर हमने चिंतन व सफ़ाई सेना के सदस्यों को इस समस्या के बारे मे बताया राशन दफ्तर में गये तथा राशन इंस्पैक्टर से बात की सभी लोगो की बॉयोमैट्रिक करायी। तथा दो हफ्तों के अन्दर सभी लोगो को राशन मिलने लगा।

- मुहम्मद कासिम (गाजीपुर)

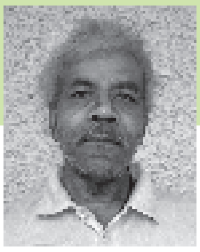

कूड़े से बिजली बनाने का प्लांट लगने से काफी लोग होगें बेरोजगार

हम लोग (मुहम्मद नजीर और ओम प्रकाश) पिलंजी गांव में रहते हैं। हम लोग पिछले कई सालो से चिंतन व सफ़ाई से जुड़े हुए हैं। हमें चिंतन व सफ़ाई सेना से जुड़े लोगो से पता चला कि दिल्ली सरकार कूड़े से बिजली बनाने का प्लांट ओखला और गाजीपुर मे लगने वाला है। जिससे वहां पर काम करने वाले लोग बेरोजगार हो जायेगें और रोजगार न होने की वजह से कबाड़ी अपने बच्चों को स्कूल न भेजकर उनको काम पर लगा देंगे। इसलिये सरकार को हम सभी कबाड़ियों पर ध्यान देना चाहिये।

- मुहम्मद नजीर और ओम प्रकाश (पिलंजी गांव)

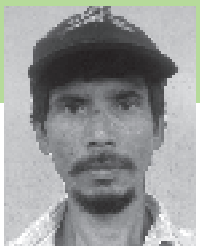

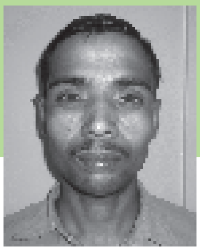

विशाल समस्याओं की कॉलोनी है शालीमार गार्डन

लोगों को उम्मीद थी कि नगर निगम यहाँ मौलिक सुविधाओं का विकास करायेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कॉलोनी के 30,000 लोग आज भी मूलभूत समस्याओं से जूझ रहे हैं। यहाँ का ऐसा हाल देखकर किसी पिछड़े हुए गाँव का एहसास होता है। कॉलोनी की निवासी पूनम राठी ने बताया कि इस कॉलोनी में पानी, सड़के तथा सीवर की समस्या तो आम है! लेकिन सबसे बड़ी समस्या यहाँ पर कूड़े की है। सरकार द्वारा इस समस्या का आज तक कोई उपाय नही हो पाया है। अजीज भाई और ओम प्रकाश कहते हैं कि सफाई सेना द्वारा किये जा रहे घर–घर से कूड़ा उठाने का कार्यक्रम काफ़ी अच्छे से चल रहा है। लेकिन कूड़े के लिए कोई भी स्थायी कूड़ेदान ना होने की वज़ह से हमें काफ़ी परेशानियें का सामना करना पड़ता है। हमें कूड़े को फ़ेकने के लिए बहुत दूर जाना पड़ता है तथा पैसे भी देने पड़ते है। नगर निगम को हमारी इस समस्या का समाधान करना चाहिये।

-ओमप्रकाश व अजीज (भोपुरा)

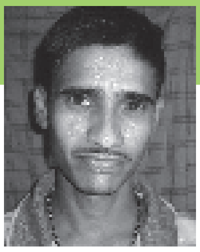

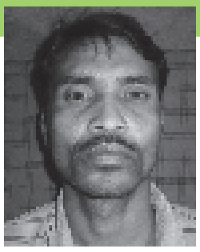

अपनो का मिला साथ

मेरा नाम रेपती विश्वास है। मैं गाजियाबाद में स्थित सिहानी चुंगी में बनी झुग्गियों में रहता हूँ। यहाँ पर हमारे साथ करीब 150 से 300 कबाड़ी भाई पिछले कई सालो से रहते हैं। दिनाँक 23 अप्रैल 2011 शनिवार के दिन अचानक हमारी झुग्गियों में आग लग गई तथा हमारा सब कुछ जल कर राख हो गया। हमारे परिवार के सर पर ना तो छत थी और ना खाने को खाना हमारी मदद के लिए किसी ने भी हाथ आगे नही किया। उस बुरे समय में हम सभी को सफ़ाई सेना और चिंतन का साथ मिला। सफ़ाई सेना और चिंतन ने हमें ना केवल सहारा दिया बल्कि रहने के लिए झुग्गियों का प्रबन्ध किया तथा करीब 300 से 400 लोगों का रोजाना खाने तथा पहनने के लिए कपड़ों की भी व्यवस्था की। सफ़ाई सेना तथा चिंतन के कार्यकर्ता भाईयों ने कई रात व दिन हमारे साथ गुजारी तथा सरकारी मदद भी दिलाई। हम सभी सिहानी चुंगी में रहने वालों की तरफ़ से तहे दिल से धन्यवाद! आज हम सभी को यह एहसास होता है कि “अपने तो अपने होते है”!

- रेपती विश्वास (सिहानी चुंगी, गाजियाबाद)

संपादकीय बोर्ड :- मुहम्मद ताजुददीन (सीमापुरी) : 9953515236, ओम प्रकाश (पिलंजी) : 8750474496, मुहम्मद कासिम (गाजीपुर) : 9716843646, ओम प्रकाश भोपुरा : 8800517954, रफीक (लोनी)

पता :- यु.एस.एफ. पियुट्री, स्कूल ब्लाक, मंडावली, दिल्ली – 110092
फोन :- 9810225423 ई–मेल :- safai.sena@gmail.com
वेबसाइट :- www.safaisena.net फेसबुक :- www.facebook.com/safaisena

सफ़ाई सेना